कांवड़ियों की अपार भीड़ से पटे शहर के सभी रास्ते

सुबह 6 बजे से भारी वाहन और 9 बजे से छोटे वाहनों का डायवर्सन, दोपहर तक नदी चौराहे से वाहन के आवागमन पर रोक

- आज कुबेरेश्वर धाम पर उमड़ेगा आस्था का सैलाब
- सीवन तट से कुबेरेश्वर धाम जाएंगे लाखों कावड़िए

सीहोर. कांवड़ यात्रा आज निकलेगी, लेकिन शहर में एक दिन पहले से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु कावड़िए उमड़ आए हैं.

नवभारत न्यूज

सीहोर 24 अगस्त. सीवन नदी तट से कुबेरेश्वरधाम तक मंगलवार को निकलने वाली भव्य कांवड़ यात्रा से पहले ही शहर आस्था के रंग में रंग गया है. देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला रविवार रात से तेज हो गया. सोमवार को सुबह से सीवन नदी तट और शहर के प्रमुख मार्गों पर कांवड़ियों की भीड़ बढ़ती चली गई. हालात यह रहे कि यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पुराने हाईवे पर कोलीपुरा और बस स्टैंड की ओर से वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी. केवल दोपहिया वाहनों को ही आगे जाने की अनुमति दी गई. शहर में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही.

मंगलवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में निकलने वाली इस विशाल कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है. यात्रा मार्ग को अलग-अलग सेक्टरों में बांटकर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है. अधिकारी अपने निर्धारित प्वाइंट पर तैनात रहकर श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेंगे. आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल, मेडिकल टीम, क्रेन व अन्य संसाधनों को तैयार रखा गया है.

कुबेरेश्वरधाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन कर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करने की तैयारी की गई है. प्रवेश-निकास द्वार, वेटिंग एरिया, अनाउंसमेंट सिस्टम और आपातकालीन व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त रखा गया है. श्रद्धालुओं को लगातार अनाउंसमेंट के जरिए आवश्यक दिशा-निर्देश और भीड़ की स्थिति की जानकारी दी जाएगी. यात्रा मार्ग पर सफाई दल सक्रिय रहेंगे, वहीं आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सड़क मरम्मत का काम भी कराया गया है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक देहात भोपाल राजेश चंदेल ने कुबेरेश्वर धाम एवं सीवन नदी घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. इस दौरान एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे.

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है. जिला प्रशासन और पुलिस रेलवे प्रशासन के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं. रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक बल और अधिकारी तैनात रहेंगे.

भीड़ बढ़ी तो शुगर मिल चौराहे से बदला यातायात मार्ग

सोमवार दोपहर रेलवे स्टेशन की ओर से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर चार पहिया वाहनों को शुगर मिल चौराहे से डायवर्ट कर गणेश मंदिर रोड, मंत्री पेट्रोल पंप होते हुए इंदौर नाका रोड की ओर भेजा गया. इससे इन मार्गों पर भी यातायात का दबाव बढ़ गया. पुलिस जवान लगातार व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। भोपाल-इंदौर बायपास पर सुबह 6 बजे से भारी वाहनों को भोपाल और फंदा टोल नाका तथा इंदौर की ओर से आने वाले वाहनों को देवास की ओर डायवर्ट किया गया. सुबह 9 बजे भीड़ बढ़ने पर छोटे चार पहिया वाहनों को क्रिसेंट चौराहे से डायवर्ट किया गया.

रात से ही नदी चौराहे पर उमड़ने लगे थे हजारों श्रद्धालु

बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीती रात करीब 11 बजे से ही नदी चौराहे पर हजारों श्रद्धालु पहुंच गए. देखते ही देखते पूरा मार्ग भीड़ से भर गया और पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया. प्रशासन के अनुमान के मुताबिक मंगलवार सुबह तक यहां श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में पहुंच सकती है. मंगलवार सुबह करीब 9 बजे पंडित प्रदीप मिश्रा सीवन नदी के महिला घाट पहुंचेंगे. यहां से वे कांवड़ में जल लेकर कुबेरेश्वरधाम के लिए रवाना होंगे. उनके साथ श्रद्धालु भी कावड़ यात्रा में शामिल होंगे. लाखों श्रद्धालुओं की संभावित मौजूदगी को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए हैं.

यात्रा मार्ग पर बनाए पांच मेडिकल प्वाइंट

स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए यात्रा मार्ग पर मानक बाग, डीमार्ट, चौपाल सागर, परमार ढाबा और मोगराफूल जोड़ सहित पांच मेडिकल प्वाइंट बनाए गए हैं. इसके अलावा कुबेरेश्वरधाम परिसर में वेटिंग एरिया डोम, भगवान शंकर मंदिर, कंकर शंकर पूजा स्थल के सामने डोम तथा पं. रामेश्वर मिश्रा अस्पताल में मेडिकल प्वाइंट की व्यवस्था की गई है. स्वास्थ्य विभाग ने पीएचसी गुड़भेला-नापलाखेड़ी जोड़ और एसएचसी चितावलिया हेमा को भी स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ा है.

ड्राइवर नहीं, साढ़े चार साल से ढंकी खड़ी है एंबुलेंस

- एंबुलेंस क तत्काल तकनीकि जांच कराने की उठी मांग
- भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे से जुड़ने से एक्सीडेंट की होते रहते हैं

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 24 अगस्त. साढ़े चार साल पहले मरीजों की सहूलियत के लिए मिली एंबुलेंस आज सलामतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़े-खड़े धूल फांक रही है. महिंद्रा फाइनेंस के सौजन्य से मिली यह जीवनरक्षक गाड़ी अब किसी 'स्थायी प्रदर्शनी वाहन' से कम नजर नहीं आ रही है.

यह एम्बुलेंस पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं वर्तमान सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा 18 अप्रैल 2022 को स्वास्थ्य केंद्र को सौंपी गई थी. एंबुलेंस के खड़ी होने की वजह अस्पताल प्रशासन ड्राइवर नहीं होना बता रहा है. सलामतपुर क्षेत्र भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 से सीधा जुड़ा हुआ है. हाईवे पर सड़क हादसे होते रहते हैं. वहीं दूसरी ओर इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आसपास के 42 गांवों की लगभग 35 से 40 हजार आबादी निर्भर है.

स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि एंबुलेंस की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए. इसके खराब टायरों और अन्य यांत्रिक कमियों को तुरंत दुरुस्त किया जाए. और जल्द से जल्द ड्राइवर की तैनाती कर इसे नियमित आपातकालीन सेवाओं के लिए हाईवे और 42 गांवों के लिए उपलब्ध कराया जाए.

अस्पताल प्रशासन का पक्ष

इधर, सलामतपुर पीएचसी के मेडिकल अधिकारी राम्या सक्सेना का कहना है: 'एम्बुलेंस ड्राइवर नहीं होने की वजह से खड़ी हुई है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसे तिरपाल पन्नी से ढांककर रखा गया है. पूर्व में इस समस्या को लेकर जिला प्रबंधन को लिखित जानकारी भेजी जा चुकी है.'

भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन पर मंथन

- बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू
- भारतीय दृष्टिकोण से समाज को समझने पर जोर

भोपाल, 24 अगस्त. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ.

24 और 25 अगस्त को शिप्रा हॉल, कुलगुरु कार्यालय में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय सामाजिक चिंतन, सांस्कृतिक मूल्यों और ज्ञान परंपराओं को समकालीन समाजशास्त्रीय अध्ययन से जोड़ना है. प्रथम दिवस दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ. विषय विशेषज्ञ प्रो. आरसी भारद्वाज ने कहा कि पिछले 150 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था पर यूरो-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रभाव रहा है. समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में भारतीय समाज की सकारात्मक विशेषताओं, सामाजिक समरसता और समाज को जोड़ने वाले मूल्यों को उचित स्थान दिया जाना चाहिए. उन्होंने परिवार, समुदाय और भारतीय सामाजिक मूल्यों के अध्ययन पर जोर दिया. प्रो. दिवाकर राजपूत ने भारतीय विचार एवं सिद्धांतों को समाजशास्त्र के अध्ययन में शामिल करने की आवश्यकता बताई. उन्होंने स्थानीय ज्ञान, स्वदेशी ज्ञान परंपरा और भारतीय ज्ञान प्रणाली को पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही. प्रो. माधवीलता दुबे और प्रो. दीप्ति श्रीवास्तव की सहभागिता में आगामी अकादमिक कार्यों के एजेंडे पर चर्चा हुई.

सावन उत्सव में छात्राओं ने रचाई मेहंदी

भोपाल. आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन में सावन उत्सव के तहत मेहंदी प्रतियोगिता और राखी मेकिंग कार्यशाला आयोजित की गई. मेहंदी प्रतियोगिता अरेबिक और पारंपरिक दो वर्गों में हुई. छात्राओं ने स्वयं और अपनी सखियों के हाथों पर आकर्षक मेहंदी रचाई. नृत्य-संगीत के बीच हुए आयोजन में छात्राएं हरे और रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आईं. प्रतियोगिता का निर्णय सहायक प्राध्यापक डॉ. खुशबू पेगवार और डॉ. पूजा वर्मा ने किया. सेवा भारती सामाजिक संस्था, भोपाल के सहयोग से राखी मेकिंग कार्यशाला भी हुई. सेवा भारती की पायल शर्मा ने छात्राओं को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया.

भेल लेडीज क्लब ने मनाया सावन उत्सव

भोपाल, 24 अगस्त. बीएचईएल लेडीज क्लब ने सावन उत्सव मनाया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संगीता रामनाथन थीं, जिनका स्वागत क्लब की अध्यक्ष रोजी उपाध्याय ने किया. मंजू पटेल ने रोजी उपाध्याय का स्वागत किया. क्लब की उपाध्यक्ष अनुजा मजूमदार, प्रीति दानी और ललिता चटर्जी सहित क्लब द्वारा संचालित सभी केंद्रों की सदस्याएं उपस्थित रहीं. उपाध्यक्ष योगिता बघेल ने सभी का अभिनंदन किया. सदस्यों ने झूलों और सरप्राइज गेम्स का आनंद लिया. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'सावन क्वीन' प्रतियोगिता रही. युकांशी देवांगन ने 'सावन क्वीन' का खिताब अपने नाम किया. सरप्राइज गेम्स की तैयारी दीपाली गोस्वामी ने की. कार्यक्रम का संचालन क्लब सचिव मंजू शौरी ने किया. निशा मीणा ने आभार व्यक्त किया.

विदिशा में युवक से 4 लाख रुपए की 40 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद

नवभारत न्यूज

विदिशा 24 अगस्त, शहर में नशे का जहर फैलाने वालों के खिलाफ विदिशा पुलिस ने बड़ा वार किया है. रेलवे माल गोदाम के पास दबिश के दौरान कोतवाली पुलिस ने पुलिस को देखकर भाग रहे एक युवक को घेराबंदी कर दबोच लिया.

तलाशी में उसके कब्जे से 40 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई गई है. आरोपी राजस्थान से विदिशा आकर मादक पदार्थ की सप्लाई में जुटा था या नेटवर्क से जुड़ा था, इसे लेकर पुलिस ने पूछताछ तेज कर दी है. पुलिस के अनुसार सोमवार को कोतवाली पुलिस टीम कस्बा भ्रमण पर थी. रेलवे माल गोदाम के पास पुलिस वाहन देखते ही युवक भागने लगा. पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी की और उसे पकड़ लिया. तलाशी के दौरान ब्राउन शुगर बरामद होने पर मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया.

आरोपी की पहचान बालचंद तंवर (20), निवासी कंवरपुरा, थाना घाटोली, जिला झालावाड़, राजस्थान के रूप में हुई है. उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है. आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड पर लिया गया है. अब पुलिस आरोपी से नशे की खेप कहां से मिली, किसे पहुंचाई जानी थी.

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निदान में लापरवाही

कलेक्टर ने जुर्माना लगाने के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

नर्मदापुरम, 24 अगस्त. सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले विभागों पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सख्त रुख अपनाया है. समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सी और डी श्रेणी प्रा करने वाले विभागों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए.

सी श्रेणी वाले विभागों से 1 हजार और डी श्रेणी वाले विभागों से 2,100 रुपए की राशि रेडक्रॉस सोसायटी में जमा कराई जाएगी.

समीक्षा के दौरान कृषि विभाग, एमपीयूडीसी, जेल, पेंशन तथा मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स विभाग को डी श्रेणी मिली. इन विभागों को 2,100-2,100 रुपए जमा करने के निर्देश दिए गए. वहीं अनुसूचित जाति कल्याण और जल संसाधन विभाग को सी श्रेणी मिलने पर 1-1 हजार रुपए जमा कराने को कहा गया. कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए. लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जाए.

कलेक्टर ने जिले में बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की भी समीक्षा की. उन्होंने लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका सहित संबंधित विभागों को क्षतिग्रस्त सड़कों को तत्काल मोटरेबल बनाने के निर्देश दिए. ईई पीडब्ल्यूडी को पचमढ़ी में निर्मित मार्गों की गुणवत्ता की जांच कर 10 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया.

एसपीएसएस से डेटा विश्लेषण पर पांच दिनी कार्यशाला

सांख्यिकीय तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की दी जानकारी

भोपाल, 24 अगस्त. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के वास्तुकला एवं योजना विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया , मध्यप्रदेश रीजनल चैप्टर के सहयोग से एसपीएसएस के माध्यम से डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की.

कार्यशाला हाइब्रिड मोड में हुई. कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को डेटा प्रबंधन, सांख्यिकीय तकनीकों और एसपीएसएस के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी देना था. कार्यशाला के संयोजक मैनिट के वास्तुकला एवं योजना विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. केके धोटे रहे. मुख्य अतिथि टीएंडसीपी भोपाल के अतिरिक्त संचालक एवं आईटीपीआई मध्यप्रदेश रीजनल चैप्टर के चेयरपर्सन विष्णु खरे रहे.

आईटीपीआई के सचिव सुमित गोठी, कोषाध्यक्ष शुभ्रांशु उपाध्याय और मैनिट के डॉ. राहुल तिवारी विशिष्ट अतिथि रहे. आईआईटी खड़गपुर से पीएचडी डॉ. सोमनाथ भुई ने विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया. सत्रों में डेटा प्रोसेसिंग, सांख्यिकीय परीक्षण, विश्लेषण और परिणामों की व्याख्या के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया.

आखिरकार रीवा से हटाई गई जिला खनिज अधिकारी दीपमाला

रीवा. रीवा में लम्बे समय से पदस्थ खनिज संयुक्त संचालक दीपमाला तिवारी (खनिज अधिकारी) को आखिरकार रीवा से हटा कर भोपाल पदस्थ किया गया है. लगातार शिकायत और बढ़ते खनिज अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर हटाने की कार्यवाही की गई. राज्य शासन द्वारा प्रशासनिक कार्य सुविधा के दृष्टि से संयुक्त संचालक खनिज दीपमाला तिवारी को स्थानान्तरित करते हुए संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म मुख्यालय भोपाल में पदस्थ किया गया है. जबकि रीवा के नये जिला खनिज अधिकारी रवि पटेल होगें. वर्तमान में पन्ना में पदस्थ है जिन्हे रीवा स्थानान्तरित किया गया है.

पहल | खेतों से सीधे स्कूल की थाली तक पहुंच रही पोषण क्रांति

सरगुजा में महिलाओं ने बदली 14 गांवों के बच्चों की सेहत

सरगुजा (छत्तीसगढ़). छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के एक सुदूर ग्रामीण इलाके से आत्मनिर्भरता और स्वास्थ्य सुधार की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है. यहाँ की ग्रामीण महिलाओं ने मिलकर एक ऐसी अनूठी 'पोषण क्रांति' की शुरुआत की है, जिसने न सिर्फ बच्चों में कुपोषण को मात दी है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की एक नई इबारत भी लिख दी है.

अक्सर स्कूलों में मिड-डे मील का राशन बाहरी वेंडरों से आता है. लेकिन सरगुजा के एक विशेष ग्रामीण स्कूल में पढ़ रहे 14 गांवों के 1000 से अधिक आदिवासी बच्चों के लिए कहानी बिल्कुल अलग है. यहाँ बच्चों की थाली में परोसी वाली हरी सब्जियां और दूध सीधे स्थानीय महिलाओं के खेतों और होम-डेयरी से आते हैं. इस पूरे अभियान की सबसे खूबसूरत बात यह है कि खेतों में पसीना बहाने वाली और दूध की सप्लाई करने वाली ये ग्रामीण महिलाएं कोई बाहरी वेंडर नहीं, बल्कि इसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की माएं हैं.

ग्रामीण माताओं का अनोखा मॉडल: इस पूरे अभियान की असली सूत्रधार इलाके की ग्रामीण महिलाएं हैं, जो दोहरी जिम्मेदारी निभा रही हैं—एक तरफ वे घर पर माँ हैं, तो दूसरी तरफ वे अन्नपूर्णा बनकर पूरे स्कूल के बच्चों की सेहत संवार रही हैं. गांव की ये महिलाएं, जिनके खुद के बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं, अपने खेतों में जैविक तरीके से ताजी हरी सब्जियां उगाती हैं.

ये सब्जियां हर सुबह सीधे स्कूल की रसोई में पहुंचती हैं, जिससे बच्चों को कीटनाशक मुक्त भोजन मिलता है. गाँव की ही महिला दुग्ध समितियों ने जिम्मेदारी ली है कि हर बच्चे को रोज शुद्ध और ताजा दूध मिले. अपने बच्चों को कुपोषण से बचाने के संकल्प के साथ ये माताएं रोजाना फोर्टिफाइड मिल्क (पोषणयुक्त दूध) की आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं, जिससे बच्चों में कैल्शियम और प्रोटीन की कमी दूर हो रही है.

ऐसे शुरू हुआ बदलाव का सफर

कुछ समय पहले स्कूल के शिक्षकों ने महसूस किया कि सुबह की प्रार्थना सभा में कई बच्चे शारीरिक कमजोरी और सुस्ती के कारण ठीक से खड़े भी नहीं हो पाते थे. इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए स्कूल प्रबंधन और स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने मिलकर एक मास्टर प्लान तैयार किया. मकसद सिर्फ बच्चों का पेट भरना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा पौष्टिक आहार देना था जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास को नई ऊर्जा दे सके.

बदमाश वेयरहाउस से चुरा ले गए मूंग की बोरी घर से उड़ा ली बोलेरो

नर्मदापुरम. शहर सहित आसपास के क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ रहा है. इटारसी थाना अंतर्गत प्लैटिनम वेयरहाउस पीपलढाना से बदमाश पांच बोरी मूंग की चुरा कर ले गए. इसको लेकर मयंक तिवारी ने मामला दर्ज कराया. मूंग की कीमत लगभग 40 हजार रुपए बताई जा रही है. इसके साथ ही इधर केसला थाना अंतर्गत फरियादी नीलेश के घर से आरोपी भानु और उसके साथी द्वारा एक भैंस चुरा ले गए जिसको लेकर मामला दर्ज कराया गया. आरोपियों गिरफ्तार कर लिया गया है. सोहागपुर थाना अंतर्गत सेमरी हरचंद में शेर सिंह के घर से बोलेरो चुरा कर बदमाश रफू चक्कर हो गए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. बोलेरो की कीमत 90 हजार रुपए बताई जा रही है. सभी मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है.

खाते में ठगी की रकम आना भर अपराध में संलिप्तता का सबूत नहीं : हाईकोर्ट

वृद्ध रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी को अग्रिम जमानत

जबलपुर, 24 अगस्त . मप्र हाईकोर्ट ने ठगी के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते में कथित ठगी की रकम जमा होना मात्र उसे अपराध में जानबूझकर शामिल मानने के लिए पर्याप्त नहीं है.

जस्टिस अजय कुमार निरंकारी ने 78 वर्षीय सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी व पूर्व सैनिक को अग्रिम जमानत देते हुए यह टिप्पणी की. मामला कर्नाटक निवासी गोविंदप्पा जयरामैया से संबंधित है. अभियोजन के अनुसार बीमा राशि दिलाने का झांसा देकर शिकायतकर्ता से करीब 26.11 लाख रुपये की ठगी की गई. जांच में पाया गया कि छह जुलाई से 26 दिसंबर 2023 के बीच शिकायतकर्ता के खाते से आरोपी के बैंक खाते में 15.15 लाख रुपये भेजे गए थे. पुलिस ने इसे प्रथम दृष्टया अपराध की आय माना. बचाव पक्ष ने बताया कि आरोपी को एक अज्ञात व्यक्ति ने बीमा राशि दिलाने का भरोसा दिया था. उसी के झांसे में आकर आरोपी ने अपने बैंक खाते और डेबिट कार्ड से संबंधित जानकारी साझा कर दी. खाते में रकम आने और उसके बाद लेनदेन होने की जानकारी उसे नहीं थी.

हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी ने बैंक खाते में रकम जमा होने के संबंध में स्पष्ट स्पष्टीकरण दिया है. मामले के मुख्य साक्ष्य बैंकिंग और इलेक्ट्रानिक लेनदेन से जुड़े हैं, जिन्हें दस्तावेजी एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के माध्यम से जांचा जा सकता है. ऐसे में हिरासत में लेकर पूछताछ आवश्यक होने का ठोस आधार सामने नहीं आया. कोर्ट ने आरोपी की अधिक उम्र, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी व पूर्व सैनिक होने और पूर्व आपराधिक रिकार्ड नहीं होने को भी ध्यान में रखा. इन परिस्थितियों में कोर्ट ने अग्रिम जमानत मंजूर कर दी.